भा.वा.अ.शि.प.-पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र प्रयागराज

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस कार्यक्रम में केन्द्र की प्रतिभागिता

27 फरवरी, 2026

*राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के उपलक्ष्य में सीएमपी डिग्री कॉलेज (सम्बद्ध इलाहाबाद विश्वविद्यालय) के वनस्पति विज्ञान विभाग में दिनांक 27 फरवरी 2026 को **"जैविक साग सब्जी और पुष्प प्रदर्शनी"** का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी में भा.वा.अ.शि.प.–पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनुभा श्रीवास्तव के नेतृत्व में प्रदर्शन शिविर लगाया गया, जिसमें **औषधीय पौधों एवं अकाष्ठीय वन उत्पादों** का प्रदर्शन किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. अजय प्रकाश खरे ने कहा कि पुष्प प्रदर्शनी का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में प्रकृति के प्रति प्रेम, वैज्ञानिक सोच और पर्यावरण संरक्षण की भावना को विकसित करना है। आयोजित प्रदर्शनी में विभिन्न प्रकार के फूलों तथा औषधीय/अन्य पौधों को अति सुन्दर और व्यवस्थित तरीके से लगाया गया है। उन्होने बताया कि इसमें स्नातक, परास्नातक तथा शोध छात्रों ने भाग लिया है। भा.वा.अ.शि.प.–पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनुभा श्रीवास्तव ने कहा कि पुष्प प्रदर्शनी, विज्ञान के महत्व और उसके समाज पर प्रभाव को दर्शाने का एक विशेष अवसर होता है। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर आयोजित व्याख्यानों के अन्तर्गत केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनुभा द्वारा **"कृषिवानिकी–सम्भावनाएं एवं महत्व"** विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। इस आयोजन ने विद्यार्थियों को न केवल विज्ञान के प्रति जागरूक किया अपितु उन्हें प्रकृति के संरक्षण का महत्व भी सिखाया। इस प्रकार की प्रदर्शनी से यह स्पष्ट होता है कि विज्ञान और प्रकृति का गहरा सम्बन्ध है। अतः इन दोनो का सम्मान करना चाहिए। प्रदर्शन शिविर में विभिन्न तरह के पुष्प, रंगीन जैविक सब्जियां, हर्बल गुलाल, औषधीय पौधे, अचार, मशरूम कल्टीवेशन, स्मार्ट एग्रीकल्चर एवं बीज संरक्षण को प्रदर्शित किया गया। मुख्य आकर्षण में हर्बल गुलाल, मेडिसिनल प्लांट्स, स्मार्ट एग्रीकल्चर, बायोफर्टिलाइजर, फ्लावर बुके शो, क्राप्स एण्ड वेजिटेबल्स, बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट, बोनसाई आर्ट, सीड डिस्प्ले इत्यादि वर्ग प्रदर्शित किए गए। उक्त आयोजन में प्राचार्य प्रो. खरे ने सभी बच्चों को प्रोत्साहित किया। प्रदर्शनी आयोजक एवं असिस्टेंट प्रोफेसर दीपक गोंड,प्रो. मंजू श्रीवास्तव, प्रो, मीना राय, प्रो. सरिता श्रीवास्तव, प्रो. आभा त्रिपाठी उपस्थित रहीं।*

पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र
प्रयागराज

ATHARVAN
FOUNDATION